



ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः
रधवननसः धामय ॥ १ ॥ क
रकमनवननः समदिय ॥ २ ॥
रसदुमुवननः समसुनर ॥ ३ ॥
रसमाधिगुनः मद्यय ॥ ४ ॥
रसुसनिनमनः किनन ॥ ५ ॥
रदुधधनः तथया ॥ ६ ॥
रकनननसः मदिगरविम
रधममननः विगुवननरुय
रकुनिसकनः सन्यरनिय
रथीवडासन्धः यनभागुन ॥
धमादुयासु ॥ १ ॥ गकास
मंका ॥ २ ॥ न्यनूकनाकिमि
दिन ॥ ३ ॥ माजा ॥ ४ ॥ दिनसुन
नमा ॥ ५ ॥ मिना ॥ ६ ॥ निम
माग ॥ ७ ॥ ॥

निपूवाययिवन ॥ ६ ॥

य ॥ १ ॥
॥ २ ॥
मका ॥ ३ ॥ जा
या ॥ ४ ॥ क
न ॥ ५ ॥ जा
कु विमं ॥ ६ ॥ क
॥ ७ ॥ जा
मिमं ॥ ८ ॥ क
रुयं ॥ ९ ॥ जा
मि ॥ १० ॥ क
॥ ११ ॥ जा
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥

२ सरुऊसी॥

अ२ वृत्तमउदकमकूनामनकमना० तिनकूत्रसमया३ वा
र्यपदं१ मनु५५३ नदयनेमनरूप० दभवत्रगगियदहा
भवनं१ मरुतुनवननकमनपुभाद० प्रापितआननुमः
हामखं१ रुननिधियमतिमनिनास्तन० पुनमामिसऊजा
इनन्दना॥ ध्रु ॥ नागभंगानमावधी॥ नावअनूमा०॥ सदऊ
मनानरुदहनवनवाया० त्रिउवननाथददिविवासा॥ उऊयि

२ कोनपि॥

गा ३

अमदावसगुआहिष्यक० कमनकूत्रिसगंजागसंहाव्यह
नभवपिणीदवीविश्वव्यापिनी० किदनिवमनामदासः
खदा१ उआइवगनादिनद्वियापयिष्य१ पानविन्दवकुः
रुदियागयहं० सुनपुभादअनरुनक्रिया० ददिसगानसं
सानसमउ॥ ध्रु ॥ नागकावयि॥ नावअनूमा०॥ कावयि
वाधितवावा१ ममनिभकंकावा१ घनकापिधितवावा१

कनूनीकियासिननाना॥ ध्रु ॥ मन्त्रयाजकन्धून्वाजयिया॥
निंदिवाजयियावजयिया॥ तदिवावखाजयिमाध्व॥ मयना
वावनयायिया॥ इतिंकासिजवसात्रिजत्र॥ इन्दून्वाजयिया
यिया॥ यउममकलुनिमिना॥ कर्पववावनयायिया॥ मानिः
यायिधनसात्रिजत्र॥ तदिवावखाजयियायिया॥ पुषजक
मकनक॥ सुखासुखनमनियायिया॥ निनसुदजंगमदा

रुद्रिपत्रपमथनि॥

वयिया॥ तदिंजसवावनयुनुमामिया॥ ध्रु ॥ नागधंमानमा
वशी॥ मानमन्मा॥ निपत्रयमथनि॥ नविनुकुनीधि॥ दमां
आनिगंमं नमधंमा॥ ध्रु ॥ इदिकलुसिनमाउदिनस
नाहि॥ अनूदममं दकीदनि॥ योनी॥ तदिनमानयिनिः
शीघ्रमममि॥ नविनयवनेयुनिनसकु॥ ननुनुकीनध
यिनकुनि॥ तइल्लवनीवीउयाययियख॥ वनसकवः

२४२४२४२४

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2868

2868

I

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दनगनरुधतयिगात्रनास्यामववननवज्ज् अपियात्र २ यव्याविं
 न्यासितविधमयप्रजिगाः पुनमासिवज्ज् सत्यसि वसाद्धिगा॥ ध
 ॥ वागसधमना॥ तावज्ज्माना॥ सप्तत्रयहं उककमननियः
 वज्ज् नः सखपूववज्ज् नज्ज् वत्र २ पुह् विनदिमनिभायनलो
 निः अष्टकननरुगविनगति॥ व ॥ ठं आ ४ हं हं ४ उं आ ४ हं
 हं उं आ ४ हं ४ उं आ ४ हं ॥ मडसा वव्याद्युवर्म उविनखनमः

अहं हं कान्तिरिव नव नारकानि नव नूनि भयं ७४ मूर्त्त नदि
 लुङ्ग दन्त कान्ति गणानि धपदं रवि श्व विषय क सिय नूनि
 वन्दन न संख मुख न सादिय नाद व न रद गदि ग पु भा
 दि न मा न वि न भवन विव क हिरव न व द मखं र स म स म स
 स र व धिय नादि नाम क न ग व स म न नु व न नूनि ध्व व ७५
 यि स र द ड शी स न्व न नूनि न ग ग व स म न नु व ॥ ध ॥

२२५ धन ॥

नागुमधुमना ॥ तावज्जया ॥ वज्जधनयं ववद्धमनिवत्रवायास
ऊमांस्तनयपुत्रसमजा ॥ मधुस्तस्युपायार्थनासाङ्गनि ॥ खमिवरा
वस्वतावसमा ॥ ध्रु ॥ सासातवज्जस्युपयद्ध ॥ महासमुद्र
सुप्रयातयामि ॥ सिद्धासुनक्तिमय ॥ वन्दुनइतिवधू ॥ अ
हिमथसुखरुत्तदायनि ॥ नत्वाध्वकपितवधू ॥ ददिनवमद
कनकाध्वनूधविनाडिना ॥ महासमुद्रुमिसुप्रनायह ॥ ४॥

॥

२२६ वेदिनी ॥

निकददिमतिद्विद्वि ॥ धर्मवज्जिभक्तवर्णमय ॥ नासुनक्ति
न ॥ ध्यानमज्ञाधनअम्बनाथा ॥ सुप्रयातनम ॥ साधय ॥ दानप
मिसंनद्वनद्ध ॥ कर्मवज्जिजिनवनअहयमज्ञाधन ॥ गनूज
सुनक्तिनयना ॥ नत्वाध्वनविज्ञानसिद्धिवन ॥ महासमुद्र
तसुप्रयातयामि ॥ ध्रु ॥ नागहर्नवि ॥ तावज्जनि ॥ पूर्वदिगां व
नवन्दागनसम्मान ॥ दवीवप्रायधीदंसासनी ॥ हं नवमहा

५ गंधा ॥

२६
३५
३५
३५

कमिस्त्वउवावूननना॥ ननाहं २ ननाहं २ धवनसुसं
मिनिददधन २ सनयससादियंकावननना॥ ध्र ॥ वंदः
आसिंगलजागधन २ वजघल्लामडावयमनमि॥ ध्र ॥
मायाविददविनजंग २ सादियवजसस्त्वयनमधन॥ ध्र
॥ वागमधमना॥ नानइऊमाना॥ विवकनसविमसिमधुस
माडः क्लिनिआननुमननिधना २ वजवाजादिआनिगः

नसम्बननानावमिमदाकावा॥ ध्र ॥ ननाहं ४ हं ननाहं ४
ननाहं ४ हं ४॥ नीनवधूयवुवकयमिमुखविन्यउः
नयनमाननुमननिधना २ विषववजअध्वनुजनादाम
कनधनः दायआहननसस्माहिता २ वजघंल्लगजयमदः
मनखदांगधनः विनमाननुमननिधना २ कनिककयानः
यनसयादामधनः निधुसुवमसिधना २ दिगंविदिगंः

काकात्यादिजमयादियात्रः सदजा नंदमत्र निधवा २ नममि
 श्रीचक्रसम्बनसमयुत्रवत्रनआवाधिता ॥ ध्रु ॥ वागर्गध
 नरुत्रवि॥ नात्रजनि॥ उं आ ४ ६ ८ ९ अ न ह्वा दा मनु वि
 सखउवात्रस २ य जाय जि न य ज स ता वा म न्द सा न य र व
 उत्र ॥ ध्रु ॥ रवरखखादियात्रममअनिवत्रियजात्रघः
 घद्यानय २ विद्युदत्र यै वा मियात्रमयै वषादसि न प

व ह्यनसर्ववन्तिना २ सर्वयद्वा द्वा सत्तु नयु न ४ विहा
नययस्मान्न २ द्वा कदाकि निइयि मृष्ट स्रव्धानं ०० नुव
सिगृह्ण २ तु न २ समया न दत्तु दानयमित्रः सर्वसखसंयः
दाग्मन्ति २ ३ अथवद्वा अथवत्तु ३ अथपिवथ २ ३ अथु ० ३ माः
निकाहवत्तु २ दानयमित्र सर्वकार्यसिद्धि २ मन्ना नथ सर्वः
सखयदहा मित्र २ आ न संसा न मथ म न व न ० सा दायं का न र